जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 325 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 26 सितम्बर, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'याद रखिए मोदी यानी गारंटी पूरी होने की गारंटी'

भारी जनसैलाब के बीच मोदी की घोषणा से स्पष्ट है कि, राजस्थान के चुनाव में पार्टी का चेहरा और कोई नहीं वे खुद हैं

चार साल बाद प्रधानमंत्री मोदी का जयपुर आगमन हुआ। एक ही दिन में जयपुर में प्रधानमंत्री मोदी के दो कार्यक्रम एवं सभा हुईं। सबसे पहले प्रधानमंत्री मोदी हैलिकॉप्टर से भाजपा के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थलि धानक्या (जयपुर) गाँव पहुँचे। वहां उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति को माला पहनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की और उसके बाद वाटिका में आयोजित जनसभा को संबोधित करने पहुँचे। संसद में महिला आरक्षण बिल पास होने की खुशी और महिलाओं के प्रति सम्मान को दर्शाते हुये मोदी के कार्यक्रमों की पूरी डोर महिलाओं के हाथों में थी। मंच संचालन सहित सभी कामकाजों की जिम्मेदारी महिलाओं ने ही पूरी की। वाटिका में "मोदी-मोदी" के जयकारों के बीच, प्रधानमंत्री मोदी खुली जीप में सभास्थल तक पहुँचे। मोदी के स्वागत में सड़क किनारे खड़ी व सभा स्थल पर मौजूद महिलाओं की भीड़ ने उन पर जमकर फूल बरसाये। लोग सुबह से ही प्रधानमंत्री मोदी के इंतजार में जगह-जगह सड़क किनारे आकर जमा हो गये थे।

- दादिया गांव में आयोजित परिवर्तन संकल्प महासभा की सम्पूर्ण व्यवस्था महिलाओं के हाथ में रही। मंच संचालन, पंडाल व्यवस्था से लेकर पार्किंग तक समूची व्यवस्था भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने संभाली।
- सभा के लिए तीन विशाल डोम बनाए गए थे, पर भीड़ इतनी ज्यादा थी कि, डोम खचाखच भर गए, जिन्हें डोम में जगह नहीं मिली वे कड़ी धूप में रिंग रोड के आसपास मोदी का भाषण सुनने के लिए खड़े रहे।

जयपुर, 25 सितम्बर। खुली जीप में जनसैलाब के बीच से अभिवादन करते हुए मंच पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। जयपुर जिले के दादिया गाँव में आयोजित भाजपा की विशाल आमसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कर दिया कि, राजस्थान के चुनाव में चेहरा सिर्फ वे खुद और पार्टी का चुनाव चिन्ह कमल का फूल होगा। उन्होंने कहा, याद रखिएगा मोदी यानी गारंटी पूरी होने की गारंटी और हमारी पहचान और शान, सिर्फ कमल का फूल हैं। कार्यकर्ताओं को प्रयास करना होगा कि, हर बूथ पर कमल का फूल खिले, जिससे प्रदेश में भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बन सके। उन्होंने कहा, जयपुर में भी सभी सीटों पर इस बार कमल खिलेगा। राजस्थान में ऐसी सरकार चाहिए जो विकास के अवसर खोले।

भाजपा की परिवर्तन संकल्प महासभा का आयोजन दादिया ग्राम पंचायत में हुआ। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास होने के बाद राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह पहली सभा थी। इसमें प्रमुख बात यह रही कि, महासभा की संपूर्ण जिम्मेदारी महिलाओं के हाथों में थी। सभा में मंच संचालन से लेकर पंडाल, पार्किंग सहित सारी व्यवस्थाओं का काम महिलाओं ने संभाला। सभा में मंच संचालन सांसद दिया कुमारी ने किया।

प्र.मंत्री की सभा के लिए तीन विशाल डोम बनाये गये थे लेकिन भीड़ इतनी ज्यादा थी कि, सभी डोम खचाखच भर गये थे। जिन्हें पंडाल में जगह नहीं मिली वो लोग बाहर की तरफ रिंग रोड के आस-पास मोदी को सुनने के लिए धूप में भी खड़े रहे। सभा में ज्यादातर जयपुर, धानक्या, झोटवाड़ा, बिन्दायका, बगरु और आस-पास के क्षेत्रों से जमा हुये थे।

सभा स्थल पर प्रदेश के अन्य नेताओं के भाषणों के दौरान भी जनता ने "मोदी मोदी" के नारों से सभास्थल को गुंजायमान कर दिया। किसी भी नेता का भाषण शुरु होने से पहले शुरु होने से पहले मोदी के नारे लग रहे थे। प्रदेश

(शेष पृष्ठ 5 पर)

कांग्रेस नेतृत्व ने गहलोत के पर कतरे?

कार्यकर्ता सम्मेलन के पोस्टर में गहलोत की छोटी सी तस्वीर के बड़े गंभीर मायने हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। अशोक गहलोत जिन्हें "लार्जर दैन लाइफ" दिखना अच्छा लगता है और जो सभी पोस्टर्स व होर्डिंग्स में छाए हुए रहते हैं, उनके कांग्रेस नेतृत्व ने पर कतर दिए हैं।

उच्च स्तरीय सूत्रों ने कहा कि राहुल गांधी ने के.सी. वेणुगोपाल के जरिए मुख्यमंत्री गहलोत को कह दिया था कि कार्यकर्ता सम्मेलन में किसी भी नेता को प्रोजैक्ट नहीं किया जाएगा और सभी को एक समान स्तर पर रखा जाएगा, पृष्ठभूमि में सिर्फ केन्द्रीय नेतृत्व को तवज्जो दी जाएगी।

जैसा कि तस्वीर से स्पष्ट है कि कार्यकर्ता सम्मेलन के पोस्टर में राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खड़गे की बड़ी ही तस्वीरें हैं तथा और अशोक गहलोत को अन्य नेताओं के समान दर्जा मिला

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- राहुल ने साफ कह दिया था कि, कार्यकर्ता सम्मेलन के पोस्टर्स में प्रदेश के नेताओं की एक जैसी तस्वीर होगी, सिर्फ केन्द्रीय नेतृत्व की ही बड़ी तस्वीर होगी।
- यह भी सामने आ चुका है कि, वक्ताओं में पायलट का नाम नहीं देखकर राहुल गांधी काफी नाराज़ हुए, उन्होंने के.सी. वेणुगोपाल से कह कर पायलट का नाम जुड़वाया।
- राहुल की नाराज़गी इतनी ज्यादा थी कि, उन्होंने प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा से इस बारे में जवाब-तलब किया।
- राजस्थान में यह सर्वविदित है कि, रंधावा अपनी मर्जी से कुछ नहीं करते हैं, वे वही करते और कहते हैं, जिसके लिए उनके मालिक, यानि गहलोत उन्हें कहते हैं।

रॉ की खूफिया जानकारियां लीक करने वाले मेजर जनरल की याचिका खारिज

- सुप्रीम कोर्ट में 2007 से इस मामले की सुनवाई चल रही थी। मेजर जनरल ने याचिका में उनके खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई रोकने की मांग की थी
- आरोप है कि मेजर जनरल वी.के. सिंह ने अपनी पुस्तक ''इंडियाज एक्सटर्नल इंटेलिजेंस- सीक्रेट्स ऑफ रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ)''में ''रॉ'' की अनेक गोपनीय जानकारियां प्रकाशित कर उन्हें सार्वजनिक किया था।
- याचिकाकर्ता जनरल सिंह ने अपनी याचिका में दलील दी थी कि, उन्होंने किताब के जरिये दो प्रमुख मुद्दों को उजागर करने का प्रयास किया था, देश की बाहरी खुफिया एजेंसी रॉ में जवाबदेही की कमी और भ्रष्टाचार।

नई दिल्ली, 25 सितंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) वी.के. सिंह की ओर से सुरक्षा एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) की कई 'गोपनीय' जानकारियां प्रकाशित करने के आरोप में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) की ओर से उन पर दर्ज मुकदमा और इससे संबंधित आरोप पत्र रद्द करने की याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) सिंह की ओर से दायर याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें 2007 में उनके खिलाफ करवाई रद्द करने की गुहार लगाई गई थी।

उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए विशेष अनुमति याचिका के जरिए सिर्फ अदालत का दरवाजा खटखटा आया था। शीर्ष अदालत की पीठ ने हालांकि, इस मामले में याचिकाकर्ता को निचली अदालत में जाने की अनुमति दी।

आरोप है कि सिंह ने अपनी पुस्तक 'इंडियाज एक्सटर्नल इंटेलिजेंस- सीक्रेट्स ऑफ रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ)' की अनेक गोपनीय जानकारियां प्रकाशित कर सार्वजनिक की थीं। शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता ने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की पूर्व राज परिवार की याचिका

जयपुर, 25 सितंबर। राज्य सरकार की ओर से टाउन हॉल की जगह पर बनाए जा रहे म्यूजियम निर्माण को चुनौती देने के मामले में पूर्व राजपरिवार सदस्यों को सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिल पाई। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस मामले में पूर्व राजपरिवार के सदस्यों की उस एसएलपी को खारिज कर दिया,

- जयपुर के पूर्व राज परिवार ने टाउन हॉल की जगह म्यूज़ियम बनाने के सरकार के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी।

जिसमें टाउन हॉल की जगह बन रहे म्यूजियम के निर्माण पर रोक लगाने का आग्रह किया था।

वहीं सुप्रीम कोर्ट ने मामले में हाईकोर्ट की जयपुर पीठ के आदेश में भी दखल देने से मना कर दिया। विशेष अनुमति याचिका पूर्व राज परिवार सदस्यों ने हाईकोर्ट के 15 सितंबर के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बिधूड़ी की साम्प्रदायिक टिप्पणी की गंभीरता कम करने में जुटे भाजपा के टीम मैनेजर

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। संसद के विशेष सत्र के दौरान लोकसभा में, भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी द्वारा सांसद दानिश अली के प्रति अभद्र शब्दों का प्रयोग किया जाना तथा इसी साल अगस्त में उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर में शिक्षिका के निर्देश पर एक सात वर्षीय मुस्लिम बालक को उसके सहपाठियों द्वारा बारम्बार थप्पड़ लगाये जाना समाज में बढ़ते जा रहे द्वेष के स्पष्ट प्रतीक हैं।

ये दो घटनाएं- एक, संसद के विशेष सत्र के दौरान संसद के नये भवन लोकतंत्र की सर्वोच्च फोरम के अंदर और दूसरी, केन्द्रीय राजधानी के निकटस्थ नगर में- देश के सामाजिक-राजनैतिक ताने-बाने में आये गहरे विभाजन को दर्शाती हैं। ये घटनाएं यह भी दर्शा रही है कि इस प्रकार की घटनाओं को व्यवस्थापिका एवं न्यायपालिका किस तरह देख रही है तथा इसके प्रति क्या रुख अपना रही है।

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने आज कहा कि एक बालक का थप्पड़ लगाये जाने की घटना, अगर सच है तो यह सरकार की चेतना के लिये एक बहुत बड़े आघात स्वरूप होनी चाहिये तथा इस घटना की घटिया एवं रद्दी जाँच को लेकर प्रशासन की खिंचाई की। बिधूड़ी के मामले में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से की गई किसी किस्म की स्पष्ट भर्त्सना कहीं दूर-दूर तक दिखाई नहीं दी। यही नहीं, सत्तारूढ़ दल द्वारा इस मुद्दे के बारे में भ्रम पैदा करने के संगठित प्रयास करती दिखाई दे रही है तथा दानिश अली पर जवाबी दोषारोपण किया जा रहा है तथा साम्प्रदायिक अपशब्द प्रयोग करने के लिए भाजपा सांसद को उकसाने के लिये दानिश अली को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

यह कहते हुये कि अगर ये आरोप सच्चे हैं, तो इससे सरकार के अन्त:करण पर आघात लगना चाहिये, सर्वोच्च न्यायालय ने आज आदेश दिया कि इस केस, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में शिक्षक के निर्देश पर एक सात साल के बालक को उसके सहपाठियों ने कई बार थप्पड़ लगाने की जाँच की मॉनिटरिंग के लिये कोई वरिष्ठ आई.पी.एस. अधिकारी को नियुक्त किया जाये।

दो भाजपा सांसदों- निशिकांत दुबे तथा रविकिशन ने लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला को पत्र लिखकर बसपा सांसद दानिश अली के "घृणित

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- सांसद निशिकांत दुबे और रविकिशन ने स्पीकर को चिट्ठी लिखकर कहा कि, दानिश अली ने टोकाटाकी कर बिधूड़ी को अपशब्द बोलने के लिए उकसाया था।
- यही नहीं, रविकिशन ने तो 9 माह पहले की गई दानिश अली की टोकाटाकी पर स्पीकर ओम बिड़ला के समक्ष शिकायत दर्ज करवाई।
- इसी तरह से मुज़फ्फर नगर में एक शिक्षिका द्वारा क्लास के बच्चों से मुस्लिम बच्चे को थप्पड़ लगवाने के मामले को भी हल्का करने की कोशिश की गई।
- पुलिस ने एफ.आई.आर. में बच्चे के पिता की शिकायतों को शामिल नहीं किया, इस बात पर सुप्रीम कोर्ट ने भी नाराज़गी जताई।
- यू.पी. सरकार तो बार-बार कह रही है कि, मुस्लिम बच्चे की पिटाई के मामले को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है।
- ये दो घटनाएं बताती हैं कि, समाज में उच्च स्तर से लेकर निचले स्तर तक साम्प्रदायिक विद्वेष बढ़ रहा है, जो बेहद चिंताजनक मसला है।

गौतम लाहिड़ी बने पी.सी.आई. के नए अध्यक्ष

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। सेवानिवृत्त बंगाली पत्रकार गौतम लाहिड़ी प्रैस क्लब ऑफ इण्डिया (पी.सी.आई.) के अध्यक्ष चुन लिये गये हैं। उन्हें 861 वोट तथा निकटतम प्रतिद्वंदी प्रशांत टंडन को 277 वोट मिले। नीरज ठाकुर जिन्हें 812 वोट मिले, पी.सी.आई. के सेक्रेटरी-जनरल निर्वाचित हुये। उन्होंने प्रदीप श्रीवास्तव, जिन्हें 283 वोट हासिल हुये, को पराजित किया है।

- प्रैस क्लब ऑफ इंडिया के चुनावों में गौतम ने 861 वोट हासिल कर जीत प्राप्त की।

एन.डी.टी.वी. के मनोरंजन भारती उपाध्यक्ष तथा "द वायर" के महताब आलम संयुक्त सचिव चुने गये, जबकि "न्यूज़ नैशन" के मोहित दुबे कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुये हैं। ये चुनाव शनिवार को

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अमेरिका में चुनाव पूर्व सर्वे में बाइडन को बड़ा झटका, ट्रम्प को मिली भारी बढ़त

एक नवीनतम सर्वे में 52 प्रतिशत लोगों ने ट्रम्प को अपनी पहली पसंद बताया, वहीं मात्र 42 प्रतिशत ने बाइडन के पक्ष में राय दी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। अपने 2024 के चुनाव प्रचार के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। हाल के एक चुनाव सर्वेक्षण से पता चला है कि बाइडन पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से काफी पीछे हैं।

वॉशिंगटन पोस्ट-ए.बी.सी. न्यूज़ के नवीनतम चुनावी सर्वेक्षण में सामने आया है कि बाइडन ट्रंप से 10 प्रतिशत पॉइंट पिछड़ गए हैं और उनके वोट 42 प्रतिशत है जबकि ट्रंप के 52 प्रतिशत।

यह चुनावी सर्वेक्षण 15 से 20 सितम्बर के बीच हुआ जिसे फोन पर 1006 वयस्कों के बीच किया गया। इससे वाइट हाउस में बाइडन का दूसरा कार्यकाल संदेहास्पद हो गया है।

वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार यह नवीनतम सर्वेक्षण अलग है जो हाल के अन्य सर्वेक्षणों से मेल नहीं खाता, लेकिन अमेरिका की अर्थव्यवस्था और प्रव्रजन के मुद्दे पर अमेरिकी मतदाताओं में असंतोष बढ़ रहा है।

इसी सर्वेक्षण से पता चला कि इसमें शामिल लोगों में से बहुमत, यानि 56 प्रतिशत ने बतौर राष्ट्रपति बाइडन के कामकाज को खारिज। और केवल 37 प्रतिशत ने उनका समर्थन किया।

कुल 64 प्रतिशत अमेरिकियों ने कहा कि वे अर्थव्यवस्था चलाने के बाइडन के तौर तरीकों को सही नहीं मानते, जबकि 62 प्रतिशत उनके अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर आव्रजन समस्या को संभालने के तरीके से नाखुश है।

- वॉशिंगटन पोस्ट-ए.बी.सी. सर्वेक्षण में शामिल लोगों में से 64 प्रतिशत ने बाइडन की सरकार की अर्थव्यवस्था और 62 प्रतिशत ने इमिग्रेशन पॉलिसी पर नाराज़गी जताई।
- यह सर्वे इस बात की पुष्टि करता है कि, अर्थव्यवस्था की दशा को लेकर आम लोगों में बाइडन के प्रति असंतोष बढ़ रहा है।
- रोचक बात यह है कि, इस बार ट्रम्प पर चार दोषारोपण हुए, फिर भी उनकी लोकप्रियता बढ़ रही है।
- सर्वे में यह भी सामने आया है कि, कई डैमोक्रैट्स 2024 में बाइडन की जगह अन्य को राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाने की मंशा रखते हैं।

इस नए सर्वेक्षण के आने के बाद ट्रंप की टीम खुशियां मना रही है क्योंकि मई में 6 पॉइन्ट (49 प्रतिशत - 43 प्रतिशत) आगे रहने के बाद अब वे बाइडन से 10 पॉइन्ट आगे हैं।

हालांकि ट्रंप का 2024 के चुनाव का अभियान उनके खिलाफ चल रहे चार मुकदमों से प्रभावित हुआ है, लेकिन वे अब भी राष्ट्रपति की दौड़ में सबसे आगे हैं।

चुनावी सर्वेक्षण फाइव थर्टी एट के अनुसार 23 सितम्बर तक ट्रंप के पास 55.2 प्रतिशत रिपब्लिकन वोट थे।

वॉशिंगटन पोस्ट-ए.बी.सी. न्यूज़ के अनुसार पांच में से तीन डैमोक्रेट या डैमोक्रेट समर्थक निर्दलीय 2024 में बाइडन के अलावा कोई उम्मीदवार चाहते हैं लेकिन फिलहाल तो मुकाबला उनके और डॉनल्ड ट्रंप के बीच ही लग रहा है।

इस वर्ष के पूर्वार्द्ध में अपना अभियान आरंभ करने वाले बाइडन ने अमेरिकी गणतंत्र की रक्षा और सामाजिक सुरक्षा तथा गर्भपात जैसे मुद्दों पर डैमाक्रेटिक वोटरों को पुनरुत्साहित करने का प्रयास किया। लेकिन गैस की ऊंची कीमतें और मुद्रास्फीति, विद्यार्थी ऋण बकाया का भुगतान और अब युनाइटेड ऑटो के कार्मिकों की हड़ताल जैसी आर्थिक समस्याएं राष्ट्रपति के लिए बहुत बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हो गई है जब वे अपना समर्थन और आधार बढ़ाने के प्रयास में है।

रोजगार मेला में 51,000 को नियुक्ति देंगे प्र.मंत्री

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। मंगलवार को आयोजित एक और "रोजगार मेले" में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकारी विभागों एवं प्रतिष्ठानों के विभिन्न पदों के लिये 51,000 नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे।

नवनियुक्त युवा ऑनलाइन

- रोजगार मेला देश भर में 46 जगहों पर होगा तथा केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में नौकरियाँ दी जाएंगी।

मॉड्यूल "कर्मययोगी प्रारंभ" के माध्यम से स्वयं को प्रशिक्षित भी करेंगे। रोजगार मेला प्रधानमंत्री के उस वचन को पूरा करने की दिशा में उठाये जाना वाला एक कदम है, जिस वचन के अंतर्गत, रोजगार-सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)